

नवनी स्त्री. (तत्.) नवनीत, मक्खन।

नवनीत पुं. (तत्.) 1. मक्खन, ताजा मक्खन 2. श्री कृष्ण, नवीनता को ले जाया गया।

नवनीत गणप पुं. (तत्.) गणपति, गणेश का एक नाम।

नवनीत धेनु पुं. (तत्.) मक्खन के ढेर में दान के लिए कल्पित गौ जिसके हाथ से शिवसायुज्य प्राप्त होता है और विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

नवपत्रिका स्त्री. (तत्.) नवदुर्गा के पूजा में व्यवहृत नौ वृक्षों के पत्ते।

नवपद पुं. (तत्.) जैनियों द्वारा उपासित एक मूर्ति।

नवपदी स्त्री. (तत्.) चौपाई, बंद।

नवपाषाणयुग पुं. (तत्.) (पुरा.) उत्तर पाषाणकाल के बाद का समय जिसका प्रारंभ ईसा से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व से माना जाता है।

नवप्रवर्तन पुं. (तत्.) किसी समय में नई मान्यताओं या आदर्शों का प्रचलन या पुरानी परंपराओं का संशोधन या विकास।

नवप्रसूत वि. (तत्.) अभी-अभी जन्मा हुआ, नवजात।

नवप्रसूता वि./स्त्री. (तत्.) जिसने अभी-अभी किसी बच्चे को जन्म दिया हो वह स्त्री।

नवप्राशन पुं. (तत्.) नया अन्न या फल खाना।

नवम वि. (तत्.) नौवाँ स्त्री. नवमी, जो गिनती में नवें स्थान पर हो।

नवमल्लिका स्त्री. (तत्.) 1. चमेली 2. नेवारी फूल।

नवमांश पुं. (तत्.) नौवाँ भाग, 1/9, नवांश ज्यों. कुंडली का एक प्रकार, जिसमें ग्रहों की विशिष्ट स्थिति के अनुसार फलादेश किया जाता है।

नवमालिका स्त्री. (तत्.) 1. काव्य. एक वर्णवृत्त, जिसके प्रत्येक चरण में नगण, जगण, भगण और यगण होता है, इसे मालिनी भी कहते हैं 2. नयी माला 3. चमेली का एक प्रकार।

नवमी वि.स्त्री. (तत्.) 1. नौवी, भारतीय मासों के किसी पक्ष की नौवी तिथि 2. स्त्री. (तत्.) चांद्रमास की किसी भी पक्ष की नवीं तिथि, धार्मिक कृत्यों के लिए अष्टमी विद्धा, नवमी ग्राह्य होती है, विशिष्ट मास की विशिष्ट पक्ष की नवमी के विशिष्ट नाम जैसे- माघ, शुक्ल पक्ष नवमी 'महानंदा' या चैत्र शुक्ल नवमी यानी यम नवमी।

नवयज्ञ पुं. (तत्.) नए अन्न के निमित्त किया गया यज्ञ।

नवयुग पुं. (तत्.) नया युग, नया काल, आधुनिक काल।

नवयुवक पुं./वि. (तत्.) प्रायः 16 से 20 वर्ष की आयु का, तरुण, नौजवान।

नवयुवती स्त्री./वि. (तत्.) प्रायः 14 से 20 वर्ष की लड़की।

नवयुवा पुं. (तत्.) दे. नवयुवक।

नवयोनिन्यास पुं. (तत्.) तंत्र के अनुसार विशेष प्रकार का न्यास।

नवयौवन पुं. (तत्.) तरुणाई की शुरुआत, नई जवानी स्त्री. जिसके यौवन का प्रारंभ हो, नौजवान और नवयुवती।

नवरंग वि. (तत्.) 1. नई छटा वाला, नए सौंदर्य वाला, नवीन शोभा से युक्त 2. नारंगी का फल।

नवरंगी वि. (देश.) 1. नित्य आनंद करने वाला 2. रंगीला, हँसमुख, खुश मिजाज।

नवरत्न पुं. (तत्.) 1. ज्यो. नौ ग्रहों के नौ रत्न-सूर्य-माणिक या लाल, चंद्र-मोती, मंगल-मूँगा, बुध-पन्ना, गुरु-पुखराज, केतु-वैदूर्य या लहसुनिया पद्मराग, नीलम, गौमेद आदि 2. विक्रमादित्य